

## गैर-सरकारी गैर-वित्तीय निजी लिमिटेड कंपनियों के 2014-15 के वित्त\*

चुनिंदा गैर-सरकारी गैर-वित्तीय निजी लिमिटेड कंपनियों के वित्तीय निष्पादन में गत वर्ष की तुलना में 2014-15 में बिक्री और परिचालन व्यय पिछले वर्ष की तुलना में बढ़ गए हैं। 2014-15 में परिचालनगत लाभ तथा निवल लाभ कम हो गए। इन पैरामीटरों में धीमापन आने के बावजूद वर्ष 2014-15 में लाभप्रदता अनुपात जैसे परिचालन लाभ मार्जिन तथा इक्विटी पर प्रतिफल में वृद्धि हुई है। कुल निवल संपत्तियों में वृद्धि हुई है जबकि पिछले वर्ष की तुलना में 2014-15 में कुल उधार घट गया है। चुनिंदा एनजीएनएफ प्रा. कंपनियां अपने कारोबार विस्तार के लिए मुख्यतया निधि के बाहरी स्रोतों पर निर्भर रही हैं, लेकिन निधि के कुल स्रोतों में इनका हिस्सा 2014-15 में कम हो गया है। निधियों का ज्यादातर इस्तेमाल सकल रूप से अचल आस्तियों के निर्माण के लिए किया गया था।

इस आलेख में वर्ष 2014-15 के दौरान चुनिंदा 237,398 गैर-सरकारी गैर-वित्तीय (एनजीएनएफ) प्रा.लिमि.कंपनियों के वित्तीय निष्पादन का जो विश्लेषण किया गया है, वह उनके लेखापरीक्षित वार्षिक लेखों पर आधारित है, जो 31मार्च 2015 को बंद किए गए थे। कॉरपोरेट कार्य मंत्रालय (एमसीए) के अनंतिम आकलन के अनुसार 31 मार्च, 2015 को समस्त एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों की कुल चुकता पूंजी में चुनिंदा 237,398 प्रा.लिमि. कंपनियों का हिस्सा 23.3 प्रतिशत था। इस आलेख में एमसीए से प्राप्त आंकड़ों का उपयोग किया गया है। इन चुनिंदा कंपनियों के उद्योग का वर्गीकरण, राष्ट्रीय औद्योगिक वर्गीकरण (एनआईसी) 2004 कूट के आधार पर किया गया है। इस आलेख में इन कंपनियों के निष्पादन का विश्लेषण तीन वर्ष की अवधि अर्थात् 2012-13 से 2014-15 के लिए किया गया है। मार्च, 2016 में रिजर्व बैंक की वेबसाइट पर प्रकाशित व्याख्यात्मक टिप्पणियों सहित 2014-15 के विस्तृत डेटा का भी संदर्भ लिया जा सकता है।

\* यह आलेख सांख्यिकीय और सूचना प्रबंध विभाग के कंपनी वित्त प्रभाग (सीएफडी) में तैयार किया गया है। पिछला आलेख के लिए रिजर्व बैंक बुलेटिन के नवंबर 2015 अंक का संदर्भ ग्रहण किया जाए।

### सारणी 1: सकल मूल्य योजन कि वृद्धि दर

(प्रतिशत)

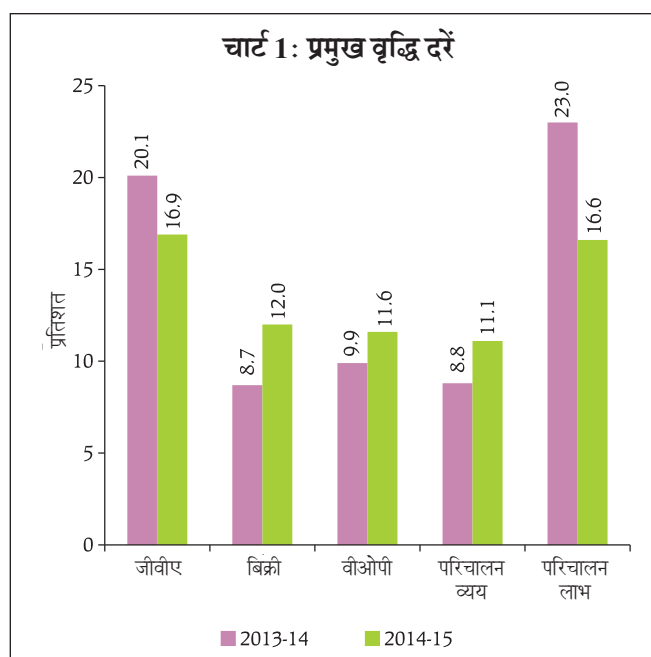
वर्ष	2013-14	2014-15
<b>सकल (कुल सभी कंपनियां)</b>	20.1	16.9
लघु कंपनियां (जिनकी बिक्री 250 मिलियन रुपए से कम है)	33.3	8.0
मध्यम आकार कि कंपनियां (जिनकी बिक्री 250 मिलियन रुपए से 1 बिलियन रुपए है)	26.0	22.6
बड़ी कंपनियां (जिनकी बिक्री 1 बिलियन रुपए और उससे अधिक है)	12.1	18.8
विनिर्माण क्षेत्र	17.3	16.2
सेवा क्षेत्र	18.6	17.4

### 1. वृद्धि दर : सकल मूल्य योजन में गिरावट हुई

**1.1** चुनिंदा एनजीएनएफ प्रा. कंपनियों के सकल मूल्य योजन (जीवीए) में धीमी गति से वृद्धि हुई है जो 2013-14 के 20.1 प्रतिशत की तुलना में 2014-15 में 16.9 प्रतिशत था, जिसका मुख्य कारण छोटी कंपनियां थीं जिनमें जीवीए 2013-14 के 33.3 प्रतिशत से घटकर 8.0 प्रतिशत हो गया (सारणी 1)।

**1.2** इन कंपनियों की बिक्री में वृद्धि 2013-14 में दर्ज 8.7 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 2014-15 में 12.0 प्रतिशत हो गई थी। फलस्वरूप, उत्पादन मूल्य में भी वृद्धि में गति पैदा हुई। परिचालन व्यय में भी वृद्धि हुई जो 2013-14 के 8.8 प्रतिशत से बढ़कर 2014-15 में 11.1 प्रतिशत दर्ज की गई (चार्ट 1)।

**1.3** वर्ष 2014-15 में परिचालनगत लाभ और निवल लाभ पिछले वर्ष के क्रमशः 23.0 प्रतिशत तथा 23.6 प्रतिशत से घटकर 16.6



और 12.3 प्रतिशत हो गए। इन कंपनियों के कुल उधार में होने वाली वृद्धि भी 2013-14 के 19.3 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2014-15 में 11.6 प्रतिशत हो गई (विवरण 1)।

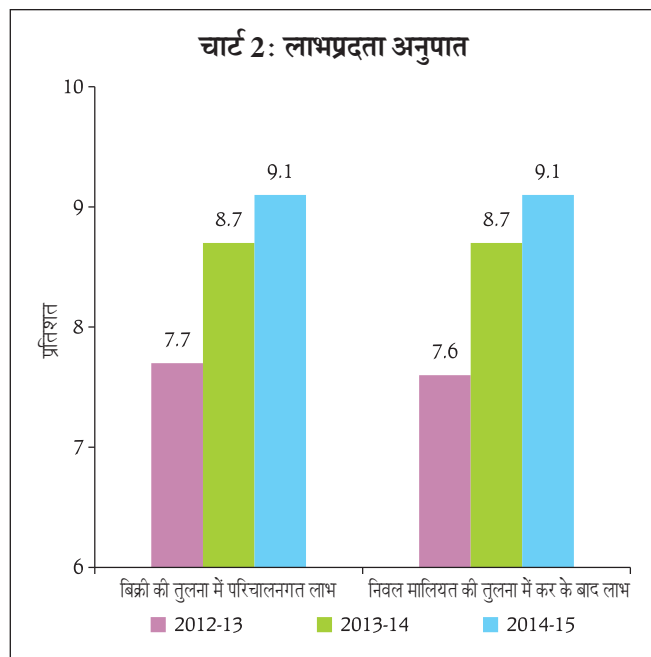
**1.4** 2014-15 में बिक्री में वृद्धि सभी बिक्री श्रेणियों में पाई गई थी जैसे बड़ी, मध्यम तथा छोटी सभी कंपनियों में। जहां बड़ी कंपनियों में परिचालनगत लाभ 4.2 प्रतिशत से काफी बढ़कर 18.0 प्रतिशत हो गया था, वहीं छोटी और मध्यम आकार की कंपनियों में यह वृद्धि 2014-15 में घटकर क्रमशः 24.9 प्रतिशत और 6.3 प्रतिशत हो गई थी, इसकी तुलना में यह वृद्धि पिछले वर्ष क्रमशः 43.8 तथा 30.1 प्रतिशत थी। बड़ी कंपनियों की निवल मालियत में अधिक वृद्धि हुई थी जबकि मध्यम आकार एवं छोटे आकार की कंपनियों में निवल मालियत में वृद्धि दर कम थी (विवरण 1)।

**1.5** उद्योग समूह में 'खाद्यान्न उत्पाद' और 'पेय पदार्थ', 'सूतीवस्त्र' तथा 'रसायन एवं रसायन उत्पाद' को छोड़कर अन्य सभी उद्योगों की बिक्री में वृद्धि पाई गई। स्थावर-संपदा क्षेत्र में वर्ष 2014-15 में सबसे अधिक 23.6 प्रतिशत की बिक्री वृद्धि हुई थी। सेवा क्षेत्र में परिचालनगत लाभ 2013-14 के 21.0 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2014-15 में 15.3 प्रतिशत हो गया जो मुख्यतया 'थोक बिक्री और खुदरा व्यापार' एवं 'स्थावर संपदा' उद्योगों की वजह से था जबकि विनिर्माण क्षेत्र के परिचालनगत लाभ में थोड़ी से वृद्धि दिखाई दी है (विवरण 1)।

## 2. लाभप्रदता अनुपात: धीरे-धीरे बढ़ा है

2.1 यद्यपि परिचालनगत लाभ 2014-15 में कम हो गया था, किंतु 2014-15 में लाभप्रदता अनुपात अर्थात् लाभ मार्जिन (बिक्री की तुलना में परिचालनगत लाभ के अनुपात के रूप में मापा जाता है) में सुधार हुआ है। लाभ मार्जिन लगातार बढ़ा है जो 2013-14 के 8.7 प्रतिशत की तुलना में वर्ष 2014-15 में बढ़कर 9.1 प्रतिशत हो गया। इक्विटी पर प्रतिफल (कर के बाद निवल मालियत की तुलना में लाभ के अनुपात के रूप में मापा जाता है) में भी तीन वर्ष की अवधि के दौरान वृद्धि पाई गई है। सकल स्तर पर प्रवृत्ति को देखते हुए लघु, मध्यम एवं बड़ी कंपनियों के लाभ मार्जिन 2013-14 की तुलना में 2014-15 में बढ़े हैं (विवरण 2)।

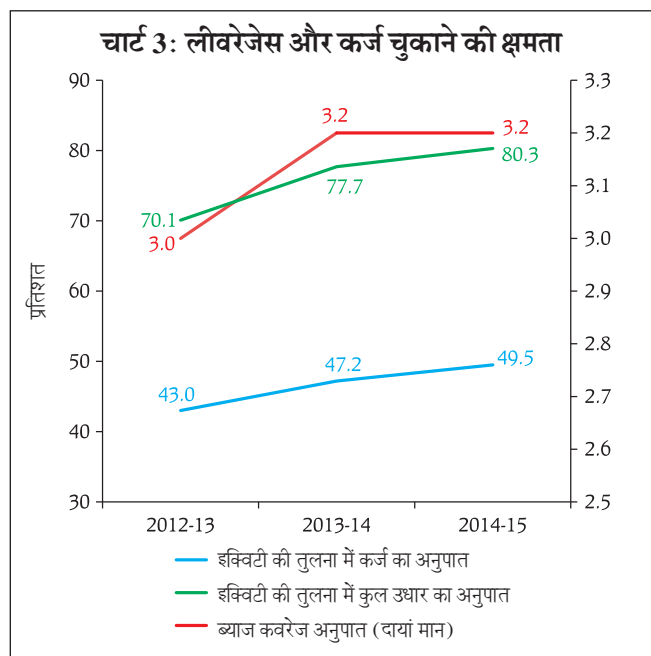
2.2 वर्ष 2014-15 में विनिर्माण क्षेत्र के लाभ मार्जिन बढ़ गए तथा सेवा क्षेत्र में थोड़ी सी कमी हुई। विनिर्माण क्षेत्र के सभी उद्योगों में 2014-15 में लाभ मार्जिन में वृद्धि पाई गई। जबकि सेवा क्षेत्र में थोक



एवं खुदरा व्यापार तथा कंप्यूटर एवं संबद्ध गतिविधियों को छोड़कर सभी उद्योग समूह में लाभ मार्जिन में वृद्धि हुई है (विवरण 2)।

## 3. लीवरेज बढ़ा किंतु ब्याज कवरेज समान स्तर पर था

**3.1** एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों के कुल उधार की दर 2013-14 के 19.3 प्रतिशत की तुलना में धीमी थी जो 2014-15 में 11.6 प्रतिशत थी। लीवरेज अनुपात (कुल इक्विटी की तुलना में कुल उधार



**सारणी 2: लीवरेज अनुपात और उधार में उनका हिस्सा**

(प्रतिशत)

लीवरेज श्रेणी (प्रतिशत)*	कंपनियों की संख्या में हिस्सा			बैंक उधार में हिस्सा			कुल उधार में हिस्सा		
	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15
0- 100	75.5	74.7	74.6	38.0	31.9	32.7	40.7	40.8	38.6
100 – 200	5.0	4.9	4.7	13.3	13.2	10.6	11.9	10.8	10.2
200 – 300	2.5	2.5	2.4	7.4	7.6	9.7	6.9	6.4	7.7
300 – 400	1.5	1.5	1.4	5.3	5.9	4.5	4.0	4.2	4.9
400 से अधिक	8.9	8.8	8.3	21.8	26.3	26.6	21.5	22.8	22.8
निवल मालियत<0	6.7	7.7	8.6	14.2	15.2	15.9	15.0	15.1	15.9
<b>कुल</b>	<b>100</b>	<b>100</b>	<b>100</b>	<b>100 (2259)</b>	<b>100 (2308)</b>	<b>100 (2613)</b>	<b>100 (4684)</b>	<b>100 (5591)</b>	<b>100 (6242)</b>

\* निवल मालियत की तुलना में दीर्घकालिक उधार के अनुपात पर आधारित। कोष्ठक में दी गई राशियां बिलियन रूप में हैं।

के प्रतिशत के रूप में मापा जाता है) 2013-14 के 77.7 प्रतिशत से बढ़कर 2014-15 में 80.3 प्रतिशत हो गया। इसी प्रकार, तीन वर्ष के अध्ययन की अवधि के दौरान इक्विटी की तुलना में कर्ज के अनुपात में वृद्धि की प्रवृत्ति पाई गई है। लघु बिक्री आकार की कंपनियों के बिक्री के मामले में इक्विटी की तुलना में कर्ज तथा इक्विटी की तुलना में कुल उधार का अनुपात दोनों में वृद्धि हुई है, जबकि बड़ी बिक्री वाली कंपनियों के इन अनुपातों में वर्ष 2014-15 में कमी हुई है। सभी क्षेत्रों में, निर्माण क्षेत्र एक ऐसा क्षेत्र था जो अन्य क्षेत्रों की तुलना में सबसे अधिक लीवरेज्ड पाया गया (विवरण 1 व 2)।

**3.2** ब्याज कवरेज अनुपात (आईसीआर), जिसका परिकलन ब्याज व्यय की तुलना में ब्याज एवं कर पूर्व अर्जन के अनुपात के रूप में किया जाता है, समग्र स्तर पर, 2014-15 में 3.2 प्रतिशत था जो

पिछले वर्ष के समान था। बिक्री आकार वर्गों में, बड़े बिक्री आकार वर्ग का आईसीआर पिछले वर्ष के 2.8 से थोड़ा सा बढ़कर 2014-15 में 2.9 हो गया था। विनिर्माण क्षेत्र में, 'सूतीवस्त्र' कंपनियों को छोड़कर समस्त सेवा उद्योगों में कर्ज चुकाने की क्षमता में वृद्धि हुई है। सेवा क्षेत्र में कर्ज चुकाने की क्षमता में पिछले वर्ष की तुलना में 2014-15 में मामूली सी गिरावट हुई है, जो मुख्यतया 'स्थावर संपदा' कंपनियों के कारण हुई है (विवरण 2)।

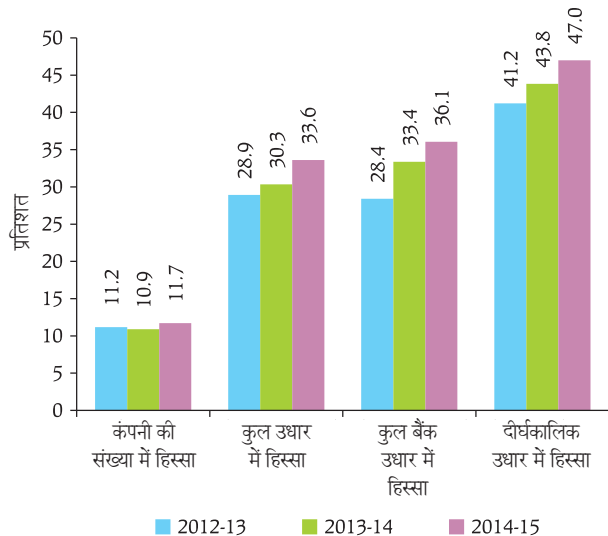
**3.3** अत्यधिक लीवरेज्ड कंपनियां अर्थात् जिन कंपनियों का इक्विटी की तुलना में कर्ज का प्रतिशत 400 से अधिक है अथवा ऋणात्मक निवल मालियत कंपनियों का 16.9 प्रतिशत है और उनका 2014-15 में बैंक उधार में हिस्सा 42.5 प्रतिशत था। इन कंपनियों का 2014-15 में कुल उधार में हिस्सा भी 38.7 प्रतिशत था (सारणी 2)।

**3.4** चुनिंदा एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों में, कुल कंपनियों में से एक बटे दस से ज्यादा कंपनियों की इक्विटी की तुलना में कर्ज का अनुपात  $\geq 200$  और आईसीआर  $< 1$  था। एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों द्वारा 2014-15 में लिए गए कुल बैंक उधार में इन कंपनियों का हिस्सा 36.1 प्रतिशत था और तीन वर्ष की अवधि में लगातार बढ़ता रहा था। (चार्ट 4)।

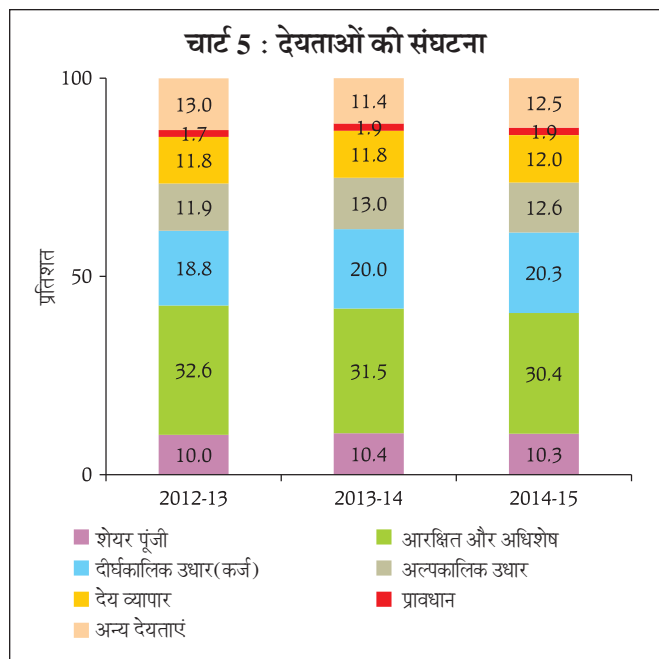
**4. पूंजी की संरचना : निवल मालियत के हिस्से में गिरावट हुई है**

**4.1** कुल देयताओं में शेयरधारकों की निधि का हिस्सा 40.7 प्रतिशत है, हालांकि वह पिछले साल 41.9 प्रतिशत था जो 2014-15 में घट

**चार्ट 4: एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों का हिस्सा जिनके लीवरेज अनुपात  $\geq 200$  और आईसीआर  $< 1$**



<sup>1</sup> इक्विटी की तुलना में कर्ज का अनुपात  $\geq 200$  में शामिल हैं वे कंपनियां जिनकी निवल मालियत और ब्याज व्यय की तुलना में कर से पूर्व अर्जन ऋणात्मक है, अर्थात् आईसीआर  $< 1$  में वे कंपनियां शामिल हैं जिनके पास उधार हैं किंतु कर से पूर्व अर्जन  $\leq 0$  है।

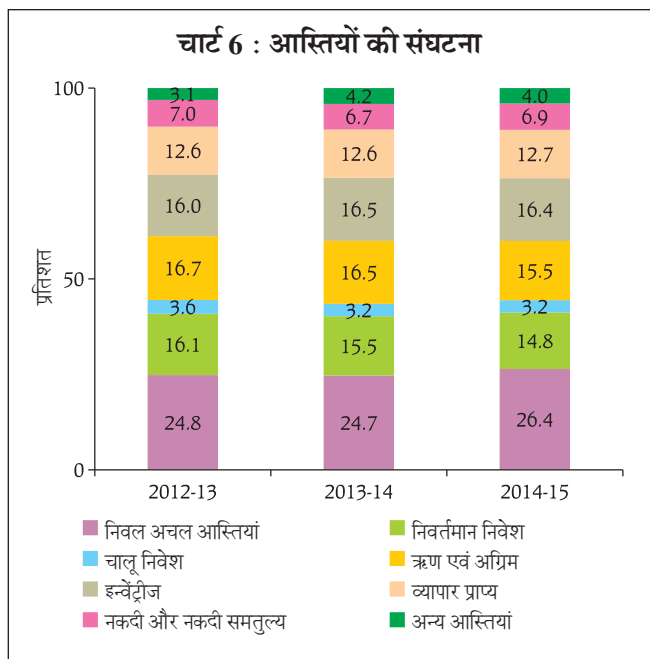


गया। 2014-15 में कुल देयताओं में दीर्घकालिक उधार का हिस्सा पिछले वर्ष की तुलना में थोड़ा सा बढ़ गया है, जबकि अल्पकालिक उधार का हिस्सा घट गया है (विवरण 3ए और चार्ट 5)।

**5. आस्तियों का पैटर्न: 2014-15 में निवल आस्तियों में विस्तार हुआ है**

**5.1** चुनिंद एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों की कुल निवल आस्तियां पिछले वर्ष के 10.6 प्रतिशत की तुलना में 2014-15 में बढ़कर 11.6 प्रतिशत हो गईं, इसमें मुख्य रूप से बड़ी कंपनियों का योगदान था। बड़ी कंपनियों की निवल आस्तियां पिछले वर्ष के 11.7 प्रतिशत की तुलना में काफी बढ़कर 2014-15 में 19.9 प्रतिशत हो गई थीं। सेवा क्षेत्र में कुल निवल आस्तियां 2013-14 में 9.1 प्रतिशत थीं जो बढ़कर 2014-15 में 11.6 प्रतिशत हो गईं और यह वृद्धि मुख्य रूप से 'थोकबिक्री और खुदरा व्यापार' तथा 'कंप्यूटर और संबंधित गतिविधियां' के कारण थीं। विनिर्माण क्षेत्र में कुल निवल आस्तियों में वृद्धि पिछले वर्ष की तुलना में 2014-15 में धीमी पड़ गई थी (विवरण 1)।

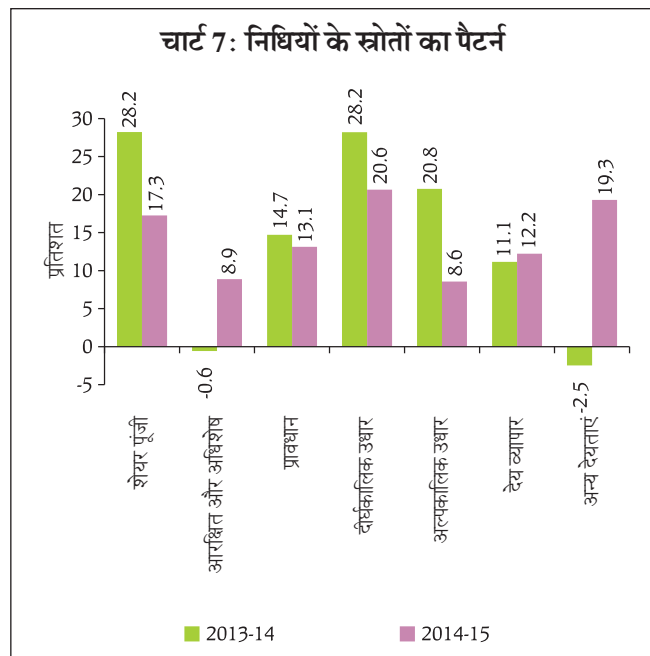
**5.2** कुल आस्तियों में निवल अचल आस्तियों का हिस्सा 2013-14 के 24.7 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 2014-15 में 26.4 प्रतिशत हो गया। कुल आस्तियों में निवर्तमान निवेश का हिस्सा 2013-14 के 15.5 प्रतिशत के मुकाबले थोड़ा सा घटकर 14.8 प्रतिशत हो गया



था। तीन वर्ष की अध्ययन अवधि के दौरान कुल आस्तियों में ऋण और अग्रिमों का हिस्सा घटता गया है (विवरण 3बी)।

**6. निधियों के स्रोत: बाहरी स्रोतों का हिस्सा कम हुआ है**

**6.1** एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों के कारोबार को बढ़ाने में बाहरी स्रोतों (अर्थात् कंपनी की स्वाधिकृत निधि को छोड़कर) की प्रमुख भूमिका बनी रही है। लेकिन, उनका हिस्सा 2013-14 के 73.0

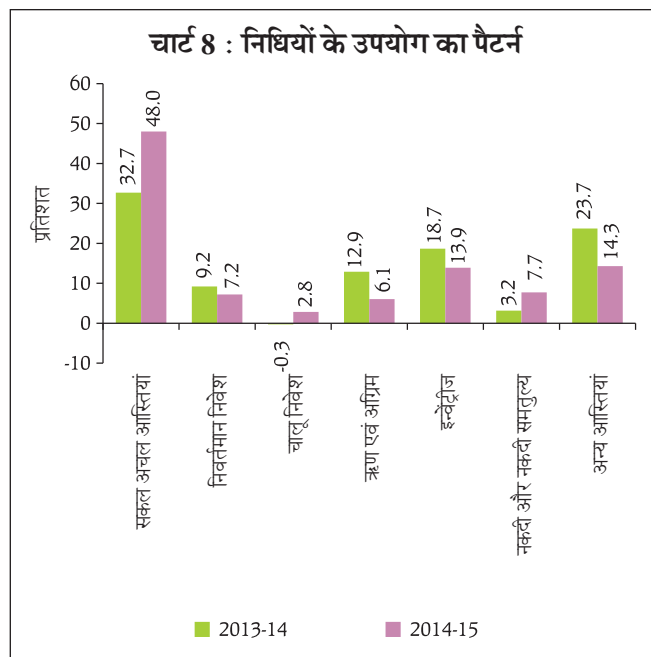


प्रतिशत की तुलना में 2014-15 में 70.5 प्रतिशत हो गया क्योंकि दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक उधारी तथा निधियों के कुल स्रोतों में शेयर पूंजी एवं प्रीमियम घट गए थे (विवरण 4ए)।

**6.2** निधियों के कुल स्रोतों में दीर्घकालिक एवं अल्पकालिक उधार के माध्यम से जुटाई गई निधियों का हिस्सा 2013-14 के क्रमशः 28.2 प्रतिशत एवं 20.8 प्रतिशत से घटकर 2014-15 में क्रमशः 20.6 प्रतिशत एवं 8.6 प्रतिशत हो गए। निधियों के कुल स्रोतों में बैंकों से दीर्घकालिक आधार पर जुटाई गई निधियों का हिस्सा 2013-14 में 11.1 प्रतिशत था जो 2014-15 में घटकर 8.5 प्रतिशत हो गया। लेकिन, निधियों के कुल स्रोतों में बैंकों से अल्पकालिक आधार पर जुटाई गई निधियों का हिस्सा 2014-15 में बढ़ गया था। इसके अलावा, अन्य देयताओं के माध्यम से निधियों का हिस्सा बढ़ गया जिसमें मुख्य रूप से निर्माण और सेवा क्षेत्र की कुछ कंपनियों का योगदान है, क्योंकि 2014-15 में उनकी अन्य देयताओं में तीव्र वृद्धि हुई है (विवरण IV ए)।

### 7. निधियों का उपयोग: सकल अचल आस्तियों के निर्माण का हिस्सा बढ़ा

**7.1** चुनिंदा एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों द्वारा जुटाई गई निधियों का अधिकांश उपयोग सकल रूप से अचल आस्तियों (जीएफए) के निर्माण के लिए किया गया। निधियों के कुल उपयोग में जीएफए का हिस्सा 2013-14 में 32.7 प्रतिशत से बढ़कर 2014-15 में 48.0 प्रतिशत हो गया। निधियों के कुल उपयोग में इन्वेंट्री निर्माण का हिस्सा 2013-14 में 18.7 प्रतिशत से घटकर 2014-15 में 13.9 प्रतिशत हो गया। इसके अलावा, निधियों के कुल उपयोग में नकदी और नकदी समतुल्य का हिस्सा पिछले वर्ष के 3.2 प्रतिशत से बढ़कर 2014-15 में 7.7 प्रतिशत हो गया (विवरण 4बी)।



### 8. समापन:

एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियों की बिक्री वृद्धि में पिछले वर्ष की तुलना में 2014-15 के दौरान तेजी आई है। लेकिन, 2014-15 में परिचालनगत लाभ तथा निवल लाभ में कमी हुई। परिचालनगत लाभ की वृद्धि दर में धीमापान रहने के बावजूद 2014-15 में लाभप्रदता अनुपात जैसे परिचालनगत लाभ मार्जिन और इक्विटी पर प्रतिफल में सुधार हुआ है। एनजीएनएफ प्रा.लिमि. कंपनियां अपने कारोबार विस्तार के लिए मुख्यतया निधियों के बाहरी स्रोतों पर निर्भर रही हैं, लेकिन निधियों के कुल स्रोत में इसका हिस्सा 2014-15 में घट गया है। जुटाई गई निधियों का अधिकांश उपयोग सकल रूप से अचल आस्तियों के निर्माण के लिए किया गया था। अत्यधिक लीवरेज्ड कंपनियों के बैंक उधार का हिस्सा 2014-15 में बढ़ गया था।

विवरण 1: निजी लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा मापदंडों की वृद्धि दरें (जारी)								
(प्रतिशत)								
	वृद्धि दर							
	बिक्री		परिचालन व्यय		परिचालन लाभ		निवल लाभ	
	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15
नमूना कंपनियों की संख्या	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398
<b>समग्र (सभी कंपनियां)</b>	<b>8.7</b>	<b>12.0</b>	<b>8.8</b>	<b>11.1</b>	<b>23.0</b>	<b>16.6</b>	<b>23.6</b>	<b>12.3</b>
<b>बिक्री-वार</b>								
₹250 मिलियन से कम	-0.1	4.6	0.1	3.7	43.8	6.3	48.2	-3.7
₹250 मिलियन से ₹1 बिलियन	14.8	15.4	15.1	13.8	30.1	24.9	31.9	30.8
₹1 बिलियन और अधिक	10.7	14.3	10.7	13.8	4.2	18.0	-13.6	15.1
<b>उद्योग-वार</b>								
<b>खनन और उत्खनन</b>	<b>0.1</b>	<b>12.2</b>	<b>1.1</b>	<b>10.0</b>	<b>15.4</b>	<b>17.9</b>	<b>34.0</b>	<b>18.3</b>
<b>विनिर्माण</b>	<b>8.0</b>	<b>9.5</b>	<b>8.1</b>	<b>8.9</b>	<b>17.4</b>	<b>17.5</b>	<b>11.8</b>	<b>23.1</b>
खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थ	8.3	6.4	9.5	5.6	8.2	15.6	-21.4	32.5
कपड़ा	12.7	5.7	13.7	4.8	29.0	7.7	48.3	2.6
रसायन और रासायनिक उत्पाद	13.2	8.0	12.8	7.3	18.7	18.2	11.1	25.3
लोहा और इस्पात	1.1	9.3	0.6	9.6	23.9	14.7	107.5	-1.0
मशीनरी और उपकरण	5.9	10.0	6.9	8.8	11.7	16.6	-0.3	20.1
इलेक्ट्रिकल मशीनरी और उपस्कर	10.0	10.8	10.1	9.0	7.4	31.5	-26.3	88.8
मोटरवाहन और अन्य परिवहन उपकरण	-3.2	11.7	-2.6	8.4	-18.3	80.1	-77.4	#
<b>निर्माण</b>	<b>4.8</b>	<b>10.4</b>	<b>6.7</b>	<b>3.9</b>	<b>#</b>	<b>21.5</b>	<b>#</b>	<b>#</b>
<b>सेवाएं</b>	<b>9.8</b>	<b>15.5</b>	<b>9.9</b>	<b>15.2</b>	<b>21.0</b>	<b>15.3</b>	<b>20.6</b>	<b>9.0</b>
थोक और खुदरा व्यापार	8.9	18.3	8.6	18.9	#	-37.8	#	-57.4
परिवहन, भंडारण और संचार	9.4	13.3	10.1	13.3	5.9	14.5	-4.1	21.3
स्थायर संपदा	7.7	23.6	7.0	15.4	#	#	#	#
कंप्यूटर और उससे संबंधित कार्यकलाप	14.6	19.7	16.1	22.4	11.5	12.8	13.2	9.6

#विभाजक ऋणात्मक, शून्य या नगण्य

<b>विवरण 1: निजी लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा मापदंडों की वृद्धि दरें (समाप्त)</b>						
(प्रतिशत)						
	वृद्धि दर					
	निवल मालियत		कुल उधार		कुल निवल आस्तियां	
	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15	2013-14	2014-15
नमूना कंपनियों की संख्या	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398
<b>समग्र (सभी कंपनियां)</b>	<b>7.7</b>	<b>8.1</b>	<b>19.3</b>	<b>11.6</b>	<b>10.6</b>	<b>11.6</b>
<b>बिक्री-वार</b>						
₹250 मिलियन से कम	4.8	3.8	19.2	15.1	9.4	8.9
₹250 मिलियन से ₹1 बिलियन	10.3	10.0	16.5	10.1	13.3	9.1
₹1 बिलियन और अधिक	15.5	20.0	22.0	3.9	11.7	19.9
<b>उद्योग-वार</b>						
<b>खनन और उत्खनन</b>	<b>7.7</b>	<b>5.7</b>	<b>10.2</b>	<b>1.2</b>	<b>7.2</b>	<b>3.5</b>
<b>विनिर्माण</b>	<b>9.9</b>	<b>10.5</b>	<b>16.7</b>	<b>6.2</b>	<b>10.1</b>	<b>8.1</b>
खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थ	5.9	4.9	19.3	1.1	9.2	4.3
कपड़ा	12.5	10.4	13.6	6.6	12.6	8.1
रसायन और रासायनिक उत्पाद	11.2	13.4	16.0	15.4	10.2	11.1
लोहा और इस्पात	4.8	6.9	20.6	5.8	8.0	7.1
मशीनरी और उपकरण	13.8	13.1	14.4	7.8	10.5	7.7
इलेक्ट्रिकल मशीनरी और उपस्कर	8.2	13.3	28.6	6.0	11.7	7.4
मोटरवाहन और अन्य परिवहन उपकरण	11.5	11.4	4.4	-2.0	2.6	11.0
<b>निर्माण</b>	<b>4.5</b>	<b>3.9</b>	<b>21.3</b>	<b>13.3</b>	<b>13.2</b>	<b>19.0</b>
<b>सेवाएं</b>	<b>6.9</b>	<b>8.1</b>	<b>16.5</b>	<b>13.5</b>	<b>9.1</b>	<b>11.6</b>
थोक और खुदरा व्यापार	2.6	5.7	27.4	5.4	5.9	9.9
परिवहन, भंडारण और संचार	10.5	12.2	16.8	2.9	9.9	7.5
स्थायर संपदा	6.6	5.5	18.7	17.0	14.8	12.4
कंप्यूटर और उससे संबंधित कार्यकलाप	15.3	27.6	19.5	48.0	15.3	26.2

विवरण 2: निजी लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा मापदंडों का अनुपात (जारी)									
	अनुपात								
	बिक्री की तुलना में लाभ			निवल मालियत की तुलना में पीएटी			इक्विटी की तुलना में कुल उधार		
	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15
नमूना कंपनियों की संख्या	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398
<b>समग्र (सभी कंपनियां)</b>	<b>7.7</b>	<b>8.7</b>	<b>9.1</b>	<b>7.6</b>	<b>8.7</b>	<b>9.1</b>	<b>70.1</b>	<b>77.7</b>	<b>80.3</b>
<b>बिक्री-वार</b>									
₹250 मिलियन से कम	7.1	10.2	10.4	4.2	5.9	5.5	62.4	71.1	78.8
₹250 मिलियन से ₹1 बिलियन	9.0	10.2	11.1	16.8	20.1	23.8	89.3	94.3	94.3
₹1 बिलियन और अधिक	7.3	6.8	7.0	12.4	9.3	8.9	81.8	86.4	74.9
<b>उद्योग-वार</b>									
<b>खनन और उत्खनन</b>	<b>5.4</b>	<b>6.2</b>	<b>6.5</b>	<b>2.6</b>	<b>3.3</b>	<b>3.7</b>	<b>85.0</b>	<b>87.0</b>	<b>83.3</b>
<b>विनिर्माण</b>	<b>6.3</b>	<b>6.8</b>	<b>7.3</b>	<b>12.0</b>	<b>12.2</b>	<b>13.6</b>	<b>86.3</b>	<b>91.7</b>	<b>88.1</b>
खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थ	4.8	4.8	5.2	8.3	6.2	7.8	82.2	92.6	89.3
कपड़ा	6.2	7.1	7.2	14.0	18.4	17.1	110.6	111.6	107.7
रसायन और रासायनिक उत्पाद	7.5	7.9	8.6	13.7	13.7	15.1	76.5	79.8	81.2
लोहा और इस्पात	2.5	3.1	3.3	2.5	4.9	4.5	95.0	109.4	108.2
मशीनरी और उपकरण	10.6	11.2	11.9	18.8	16.4	17.5	65.7	66.0	62.9
इलेक्ट्रिकल मशीनरी और उपस्कर	7.4	7.2	8.6	11.9	8.1	13.5	88.5	105.2	98.5
मोटरवाहन और अन्य परिवहन उपकरण	6.1	5.2	8.3	16.6	3.4	20.1	94.8	88.7	78.0
<b>निर्माण</b>	<b>2.8</b>	<b>8.7</b>	<b>9.6</b>	<b>-4.1</b>	<b>-0.4</b>	<b>-1.6</b>	<b>152.1</b>	<b>176.6</b>	<b>192.6</b>
<b>सेवाएं</b>	<b>9.9</b>	<b>10.9</b>	<b>10.8</b>	<b>8.3</b>	<b>9.4</b>	<b>9.4</b>	<b>47.5</b>	<b>51.8</b>	<b>54.4</b>
थोक और खुदरा व्यापार	0.2	1.5	0.8	0.1	1.1	0.4	27.2	33.7	33.6
परिवहन, भंडारण और संचार	11.2	10.8	11.0	26.5	23.0	24.9	107.0	113.1	103.7
स्थावर संपदा	-16.3	-4.7	0.2	-7.5	-4.0	-4.5	105.4	117.3	130.1
कंप्यूटर और उससे संबंधित कार्यकलाप	25.5	24.8	23.4	36.8	36.1	31.0	26.1	27.1	31.4



<b>विवरण 2: निजी लिमिटेड कंपनियों के चुनिंदा मापदंडों का अनुपात (समाप्त)</b>						
(प्रतिशत)						
	अनुपात					
	इक्विटी की तुलना में ऋण			ब्याज कवरेज अनुपात *		
	2012-13	2013-14	2014-15	2012-13	2013-14	2014-15
नमूना कंपनियों की संख्या	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398	237,398
<b>समग्र (सभी कंपनियां)</b>	43.0	47.2	49.5	3.0	3.2	3.2
<b>बिक्री-वार</b>						
₹250 मिलियन से कम	40.8	47.1	52.3	2.7	3.2	2.9
₹250 मिलियन से ₹1 बिलियन	53.4	55.9	55.4	3.3	3.6	3.9
₹1 बिलियन और अधिक	42.3	40.9	38.2	3.1	2.8	2.9
<b>उद्योग-वार</b>						
<b>खनन और उत्खनन</b>	56.5	49.2	47.9	1.9	1.9	2.1
<b>विनिर्माण</b>	43.3	43.1	43.5	2.8	2.9	3.1
खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थ	38.0	39.9	41.8	2.5	2.2	2.2
कपड़ा	57.1	55.8	54.6	2.4	2.9	2.8
रसायन और रासायनिक उत्पाद	39.2	36.7	43.0	3.2	3.6	4.4
लोहा और इस्पात	40.8	47.3	48.2	1.3	1.5	1.5
मशीनरी और उपकरण	32.8	34.3	30.9	4.8	4.5	4.9
इलेक्ट्रिकल मशीनरी और उपस्कर	51.5	55.4	51.4	2.7	2.3	2.8
मोटरवाहन और अन्य परिवहन उपकरण	46.1	36.5	40.7	3.2	1.8	4.5
<b>निर्माण</b>	115.1	133.0	144.7	0.6	1.1	1.0
<b>सेवाएं</b>	28.7	31.2	32.4	4.4	4.7	4.5
थोक और खुदरा व्यापार	14.0	16.7	17.5	1.3	1.8	1.4
परिवहन, भंडारण और संचार	69.8	72.0	67.0	4.7	4.4	4.6
स्थायर संपदा	65.9	74.5	81.2	-0.5	0.3	0.4
कंप्यूटर और उससे संबंधित कार्यकलाप	16.9	17.6	15.9	24.9	23.9	23.5

\* वास्तविक अनुपात

विवरण 3: निजी लिमिटेड कंपनियों की देयताओं और आस्तियों की संरचना							
(प्रतिशत)							
क: देयताओं की संरचना				ख: आस्तियों की संरचना			
वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15	वर्ष	2012-13	2013-14	2014-15
1. शेयरधारकों की निधि	42.7	41.9	40.7	1. सकल अचल आस्तियां	32.6	33.0	35.2
(i) शेयर पूंजी	10.0	10.4	10.3	क) मूर्त आस्तियां	26.5	25.6	25.9
(ii) आरक्षित निधि और अधिशेष	32.6	31.5	30.4	ख) कार्यकारी पूंजी	3.3	3.4	3.7
(क) आरक्षित पूंजी	19.3	19.7	18.8	ग) अमूर्त आस्तियां	2.1	2.4	4.4
2. दीर्घावधि उधार (ऋण)	18.8	20.0	20.3	2. मूल्यहास (i) मूर्त	7.2	7.6	8.0
(क) बांड/डिबेंचर - हटाए गए	1.9	1.9	2.2	(ii) अमूर्त	0.6	0.7	0.8
बैंक से मीयादी ऋण - निकाले गए	9.7	9.9	9.8	3. निवल-अचल आस्तियां	24.8	24.7	26.4
3. अल्पावधि उधार	11.9	13.0	12.6	4. गैर-वर्तमान निवेश	16.1	15.5	14.8
जिसमें से, बैंक से - निकाले गए	5.2	3.7	3.9	5. वर्तमान निवेश	3.6	3.2	3.2
4. देय व्यापार	11.8	11.8	12.0	6. ऋण और अग्रिम	16.7	16.5	15.5
5. प्रावधान	1.7	1.9	1.9	7. इनवेंट्री	16.0	16.5	16.4
6. अन्य देयताएं	13.0	11.4	12.5	8. व्यापार प्राप्य राशियां	12.6	12.6	12.7
(i) गैर-वर्तमान	2.3	1.5	2.0	9. नकदी और नकदी समतुल्य	7.0	6.7	6.9
(ii) वर्तमान	10.7	9.9	10.4	10. अन्य आस्तियां	3.1	4.2	4.0
<b>कुल</b>	<b>100.0</b>	<b>100.0</b>	<b>100.0</b>	(i) गैर-वर्तमान	0.9	1.6	1.2
				(ii) वर्तमान	2.2	2.5	2.8
				<b>कुल</b>	<b>100.0</b>	<b>100.0</b>	<b>100.0</b>

विवरण 4: निजी लिमिटेड कंपनियों के निधियों के स्रोत और उपयोग की संरचना					
(प्रतिशत)					
क: वर्ष के दौरान निधियों के स्रोत की संरचना			ख: वर्ष के दौरान निधियों के उपयोग की संरचना		
	2013-14	2014-15		2013-14	2014-15
<b>आंतरिक स्रोत</b>	<b>27.0</b>	<b>29.5</b>	1. सकल अचल आस्तियां	32.7	48.0
1. प्रदत्त पूंजी	12.9	7.5	(i) दृश्य आस्तियां	14.9	24.7
2. आरक्षित निधि और अधिशेष	-0.6	8.9	जिसमें से, संयंत्र तथा मशीनरी	28.8	10.9
3. प्रावधान	14.7	13.1	(ii) कार्यकारी पूंजी	4.0	5.3
जिसमें से मूल्यहास	11.8	11.3	(iii) अमूर्त आस्तियां	13.8	18.0
<b>बाह्य स्रोत</b>	<b>73.0</b>	<b>70.5</b>	2. गैर-वर्तमान निवेश	9.2	7.2
4. शेयर पूंजी तथा प्रिमियम	15.4	9.8	3. वर्तमान निवेश	-0.3	2.8
5. दीर्घावधि उधार	28.2	20.6	4. ऋण और अग्रिम	12.9	6.1
जिसमें से, (क) बांड/डिबेंचर	1.5	4.4	5. इनवेंट्री	18.7	13.9
(ख) बैंकों से	11.1	8.5	6. व्यापार प्राप्य राशि	11.0	11.8
6. अल्पावधि उधार	20.8	8.6	7. नकदी और नकदी समतुल्य	3.2	7.7
जिसमें से, बैंकों से	-8.5	5.2	8. अन्य आस्तियां	12.7	2.4
7. व्यापार देय राशि	11.1	12.2	(i) गैर-वर्तमान	8.0	-2.3
8. अन्य देयताएं	-2.5	19.3	(ii) वर्तमान	4.7	4.7
(i) गैर-वर्तमान	-5.0	5.8	<b>कुल</b>	<b>100.0</b>	<b>100.0</b>
(ii) वर्तमान	2.5	13.5			
<b>कुल</b>	<b>100.0</b>	<b>100.0</b>			